

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-५५

दिनांक- मंगलवार, १८ जुलाई, २०२३



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.7 एवं 25.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 66 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.0 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.8 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.1 घंटा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.6 एवं दोपहर में 37.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नहीं हुई।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(19-23 जुलाई, 2023)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 19-23 जुलाई, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमानित की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा की सम्भावना नहीं है। इस अवधि में कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। तराई के एक दो स्थानों पर मध्यम वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34-37 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने की सम्भावना है।

समसामयिक सुझाव

- उच्च जमीन में अरहर की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो फास्फोरस, 20 किलो पोटाश तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेंद्र अरहर 1, मालवीय-13, राजेन्द्र अरहर-1 किस्में बुआई के लिए अनुषंसित है। बीज दर 18-20 किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- आम के पौधों की उम्र (10 वर्ष से अधिक) के अनुसार फलन समाप्त होने के बाद अनुशंसित उर्वरको जैसे 15-20 किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद, 1.25 किलोग्राम नेत्रजन, 300-400 ग्राम फॉसफोरस, 1.0 किलोग्राम पोटाश, 50 ग्राम बोरेक्स तथा 15-20 ग्राम थाइमेट प्रति पौधा प्रति वर्ष के अनुसार उपयोग करें। जिससे अगले वर्ष पौधे फलन में आ सकें तथा उनका स्वास्थ्य अच्छा बना रहें।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे- कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट वेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे- कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में 10 x 10 मीटर की दुरी पर पौधों की रोपाई करें।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंधाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ-23 तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ-1 अनुषंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ-3 तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुषंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी 2.0 मीटर है एवं बौनी जातियों में 1.5 मीटर रखें।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े 15 से 20 दिनों के हो गये हों, में खर-पतवार निकालें। पौधशाला को वर्षा से बचाने के लिए 40 : छायादार नेट से 6-7 फीट की ऊचाई पर ढकने का कार्य करें। आर्द्रगलन (डेम्पिंग ऑफ) रोग की नियमित रूप से निगरानी करते रहें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों में गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अर्का श्वेता, अर्का मेघना, अर्का हरिता, काशी सुर्ख, काशी अगेती, काशी तेज अनुशंसित है। उन्नत किस्मों के लिए बीज दर 1 से 1.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा 200 से 300 ग्राम संकर किस्मों के लिए रखें। क्यारियों की चौड़ाई एक मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3-4 मीटर रखें। बीज को गिराने से पूर्व थायरम 75 प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- सब्जियों में आवष्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें तथा लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। इन कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर फसल में छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमान: 34.6 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 25.0 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ० ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)